

असाधार्गा EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 4ः
PART I—Section 4
प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 22, 1992/माध 2, 1913

No. 1] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 22, 1992/MAGHA 2, 1913

इ.स. भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1992

1(अ):—लैंपिटनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) महाराज कुमार भवानी सिंह, महावीर चक्र द्वारा सेना संबंधी मामलों में निरन्तर गहरी रुचि दिखाए जाने, विशेष रूप से पर्वन संक्रिया के दौरान ग्रपने जीवन के गंभीर खतरे को परवाह न करते हुए श्रीलंका में संक्रियारत भारतीय याँनिकों को नौतिक स्तर पर प्रवल समर्थन विये जाने के उपलक्ष में राष्ट्रपति महोदय सम्मान स्वरूप उन्हें 29 नवम्बर, 1991 में भारतीय सेना में विगेबियर (श्रानरेरी) का रोक प्रदान करते हैं। वे इस रैंक पर श्राजीवन बने रहेंगे।

> [फा.सं. 4/4/91/डो(एम एस)] एन.एन. बोहरा, सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th January, 1992

1(E).—In recognition of his continuous keen interest in matters retaining to the almy, especially in view of the strong moral support given by him to the Indian troops operating in Sri Lanka, during O. P. PAWAN at scrious risk to his life, the President is pleased to grant the rank of Brigadier (Honorary) of the Indian Army to Lt. Col (Retd) Maharaj Kumar Bhawam Singh, MVC, w.e.f. 29th November, 1991. He will hold this rank for life.

[F. No. 4|1|91D(MS)]N. N. VOHRA, Secy.